आकाशवाणी शिमला

25.06.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

प्रधानमंत्री

आज संविधान हत्या दिवस है। यह दिन हमें उन घटनाओं की याद दिलाता है, जब 25 जून 1975 को संविधान का गला घोंटकर देश पर आपातकाल थोप दिया गया था। यह आपातकाल से पीड़ित प्रत्येाक व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का दिन भी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वालों को सलाम किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दिन भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान देश भर के लोगों, विभिन्न विचारधाराओं और सभी क्षेत्रों के लोगों ने भारत के लोकतांत्रिक ताने–बाने की रक्षा करने और उन आदर्शों को संरक्षित करने के उद्देश्य से एक–दूसरे के साथ मिलकर काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान में सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

आपातकाल–भाजपा

इस बीच प्रदेश भाजपा आज आपातकाल के 50 वर्ष पूरा होने पर कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसके तहत आज धर्मशाला में केंद्रीय सहकारिता और सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा उपस्थित रहेंगे। पार्टी के प्रदेश महासचिव त्रिलोक कपूर ने बताया कि इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डिस्पेच

इसके तहत कल धर्मशाला में केंद्रीय सहकारिता और सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर विभिन्न कार्यकर्ताओं को दायित्व दिए गए हैं। इस दौरान कार्यक्रम में पौधारोपण, प्रैस वार्ता, काल्पनिक संसद का उद्घाटन और सेमिनार व लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान शामिल है। इसी प्रकार 26 जून को शिमला में केंद्रीय अल्पसंख्यक व संसदीय मामले मंत्री किरण रिजिजू उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर विशेष रूप से भाग लेंगे।

भेंट

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कल राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल से राजभवन शिमला में भेंट की। वे प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर शिमला पहुंचे हैं। अपने प्रवास के दौरान वे आज भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में गुरू परंपरा ओर भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में भाग लेंगे।

पीएम–मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 जून को आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की 123वीं कड़ी होगी। यह कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज ऑन ए आई आर मोबाइल ऐप पर प्रसारित होगा।

प्रातःकालीन सभा

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों को प्रातःकालीन सभाओं के दौरान दैनिक समाचार पढ़ने के निर्देश दिए है। इसका उददेश्य स्कूली बच्चों में देश व दुनिया और प्रदेश की सम–सामयिक घटनाओं की जानकारी देने के साथ सामान्य ज्ञान में बढ़ौतरी करना है । इसके अलावा बच्चों को भविष्य के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाना है।

मॉनसून

प्रदेश के सभी भागों में दक्षिण–पश्चिमी मॉनसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अलर्ट के बीच पिछले 24 घण्टों के दौरान प्रदेश के अधिकांश भागों में बारिश का समाचार है। बारिश व भूस्खलन के के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कई सम्पर्क सड़कें अवरूध्द हैं। इसके अलावा कई पेयजल व बिजली परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग ने 30 जून तक राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में मॉनसून की भारी वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान लाहौल–स्पिति और किन्नौर ज़िलों को छोड़कर अन्य सभी ज़िलों में भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है। ऊना, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, सिरमौर व बिलासपुर के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

पर्यटन सीजन

चम्बा जिला में पर्यटन सीजन जोरों पर है और जिला में आने वाले पर्यटक साहसिक गतिविधियों जैसे पैरालाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स, ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठा रहे हैं। जिला पर्यटन विकास अधिकारी चम्बा राजीव मिश्रा ने बताया कि इस दौरान पर्यटक कई साहसिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं और उन्हें विभिन्न प्रकार की सुविधाएं जिला में मुहैया करवाई जा रही हैं।

जिला पर्यटन विकास अधिकारी चम्बा राजीव मिश्रा ने बताया कि जिला के पर्यटन स्थलों खजियार, डलहौजी, जोत इत्यादि में इन दिनों पर्यटकों का आना जारी है। इस दौरान पर्यटक कई साहसिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं और उन्हें विभिन्न प्रकार की सुविधाएं जिला में मुहैया करवाई जा रही है। मानसून के चलते पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए 15 जुलाई से पैरालाइडिंग पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाएगा जो करिन एक माह तक जारी रहेगा। इसके अलावा पर्यटकों की सुरक्षा हेतु प्रशिक्षित पायलट इन उड़ानों को करवा रहे हैं और सभी एस ओ पी का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।